ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
मध्य गुजरात का लोकप्रिय समाचार पत्र

गुजराती बोल

गुजराती बोल अर्थात गुजरात की आवाज

RNI No. 65261/97

हिन्दी दैनिक

Price Per Copy : Rs. 3.00

शुक्रवार, 09-02-2024

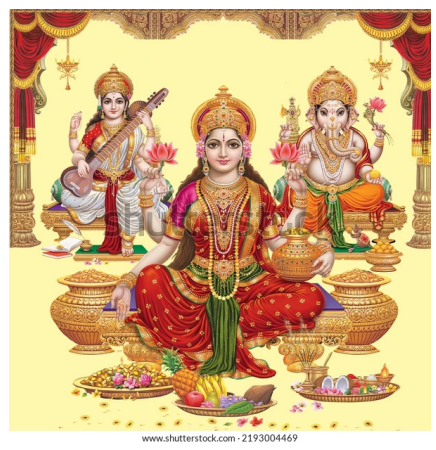

वर्ष - 27 * अंक - 211 * संपादक / प्रकाशक - खगेश के. शाह 9825034259 * सह संपादक - सुरजीत सिंह लोंगिया * सह संपादक - अनिता के. शाह

पाकिस्तान चुनाव-138 सीटों के रुझान, इमरान समर्थक 80 पर आगे: नवाज-बिलावल अपनी पर सीट पर लीड कर रहे

गुजराती बोल, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और प्रांतीय चुनाव के लिए वोटिंग खत्म होने के बाद काउंटिंग जारी है। मतदान सुबह 8:30 बजे शुरू हुआ और शाम 5:30 बजे तक चला। वोटिंग की गिनती के बीच रुझान भी आने लगे हैं। हालांकि आधिकारिक नतीजे शुक्रवार यानी 9 फरवरी तक ही आने की उम्मीद है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 336 सीटें हैं। इनमें से 265 सीटों पर चुनाव हो रहा है। बाकी सीटें रिजर्व हैं। वोटिंग के दौरान मुल्क में कई घंटे तक मोबाइल और इंटरनेट सर्विस करीब-करीब बंद रहीं। इस बीच, न्यूज चैनलों ने अपनी वेबसाइट्स से इलेक्शन रिजल्ट टैली हटा ली हैं। इमरान की पार्टी PTI के कार्यकर्ताओं ने दावा किया है कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार जीत रहे हैं इसलिए नतीजों में देरी की जा रही है। PTI के ओमारी अयूब के मुताबिक कई रिटर्निंग ऑफिसर्स के दफ्तरों में लगी स्क्रीन बंद कर दी गई है। जमात-उलेमा-ए इस्लाम के चीफ मौलाना फजल-उर-रहमान डेरा इस्माइल खान में अपनी सीट पर फिर से लीड करने लगे हैं। नेशनल असेंबली सीट नंबर 127 सीट पर बिलावल भुट्टो जरदारी नवाज की पार्टी पीएमएल-एन के कैंडिडेंट और पूर्व कानून मंत्री अता तरार के मुकाबले पिछड़ गए हैं। बिलावल को 7823 और तरार को 8632 वोट मिले हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की कैंडिडेट डॉक्टर सवीरा प्रकाश पीके 25 सीट पर चौथे नंबर पर चल रही हैं। यहां निर्दलीय रियाज खान 10270 वोट हासिल करके पहले स्थान पर हैं। सवीरा को सिर्फ 31 वोट मिल सके हैं। पाकिस्तान मिलिट्री के मीडिया विंग ISPR ने कुछ देर पहले एक बयान में लोगों को 'लगभग शांतिपूर्ण' मतदान के लिए बधाई दी। कहा- जनरल इलेक्शन में आर्म्ड फोर्सेस ने दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर अहम रोल अदा किया। इस दौरान एक लाख 37 हजार फौजी तैनात किए गए थे। चीफ इलेक्शन कमिश्नर सिकंदर सुल्तान रजा ने भी इसी तरह का बयान जारी कर लोगों का शुक्रिया अदा किया है। बड़े भाई नवाज के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी अपनी सीट से पिछड़ गए थे। वो लगभग हजार वोट्स के साथ फिर से लीड करने लगे हैं। PML-N चीफ और प्रधानमंत्री पद के दावेदार माने जा रहे नवाज शरीफ लाहौर सीट से पीछे हो गए थे, उन्होंने अब फिर लीड करना शुरू कर दिया है। नवाज के खिलाफ इमरान की पार्टी PTI की मेंबर यास्मिन हैं और जेल से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं। वो 9 मई 2023 के हिंसा केस की अहम आरोपी हैं। कराची में रेंजर्स (पैरामिलिट्री फोर्स) पत्रकारों को अलग-अलग रिटर्निंग अफसरों के दफ्तरों में जाने

से रोक रहे हैं। पूर्व में इन्हीं ऑफिसों के जरिए चुनाव नतीजों में धांधली की जाती रही है। पाकिस्तान से भास्कर रिपोर्टर राणा माल्ही के मुताबिक- पाकिस्तान के तमाम न्यूज चैनलों की वेबसाइट्स ने इलेक्शन रिजल्ट टैली हटा दी है। काउंटिंग के दौरान इमरान खान की पार्टी PTI का भी रिएक्शन आया। PTI ने सोशल मीडिया पर कहा- फासिस्ट सरकार ने लोगों को मतदान से रोकने के लिए हर हथकंडा अपनाया, इसके बावजूद अवाम ने हौसले और साहस से भारी वोटिंग की। उसने जुल्म करने वाली ताकतों को नकार दिया है। ये इमरान खान, PTI और पाकिस्तान की बड़ी जीत है। पाकिस्तान की होम मिनिस्ट्री ने गुरुवार रात 8.30 बजे सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- मुल्क के कुछ हिस्सों में मोबाइल सर्विस बहाल की जा चुकी है। बहुत जल्द ये पूरे देश में बहाल हो जाएगी। पाकिस्तान के कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (TLP) के चीफ मौलाना साद रिजवी नेशनल असेंबली की सीट नंबर 50 से आगे चल रहे हैं। अब तक 265 में से 138 सीट के रुझान सामने आए हैं। इमरान की पार्टी के समर्थन वाले निर्दलीय 82 सीटों पर आगे हैं। 35 पर नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन और 17 पर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के कैंडिडेट्स आगे है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चीफ बिलावल भुट्टो जरदारी तीनों सीट (लाहौर, लरकाना और कंवर शहदकोट) से आगे चल रहे हैं। ARY न्यूज के मुताबिक खैबर पखतूनख्वा के स्वाबी इलाके में लोगों ने महिलाओं को मतदान नहीं करने दिया। इस इलाके में 6 हजार महिला मतदाता हैं। इसके अलावा पंजाब की NA-59 सीट पर भी एक भी महिला ने वोट नहीं डाला। बलूचिस्तान में एक बूथ के पीठासीन अधिकारी दावा किया है कि इलाके का SHO पोलिंग बूथ से 900 वोट उठाकर ले गया। उसने लिखित में शिकायत इस घटना की शिकायत भी की है। बिलावल भुट्टो लाहौर की NA-127 सीट से भी आगे। वो लाहौर की सीट जीतकर अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो की जीत को रिपीट करना चाहते हैं। अगर वो जीते तो वो जुल्फिकार के बाद लाहौर से जीतने वाले भुट्टो खानदान के दूसरे शख्स होंगे। लाहौर शरीफ खानदान का गढ़ माना जाता है। खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर में शुरुआती रुझानों में सभी सीटों पर PTI के समर्थन वाले उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और PPP पार्टी के लीडर बिलावल भुट्टो कंबर शहादाकोट (NA-196) सीट से आगे चल रहे हैं। वहीं JUI-F के नासिर महमूद पीछे चल रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और PML-N सुप्रीमो नवाज शरीफ लाहौर में NA-130 की सीट से आगे चल रहे हैं। उनके खिलाफ यासमीन राशीद पीछ हैं। यासमीन इमरान खान की पार्टी से हैं। ये चुनाव वो जेल से लड़ रही हैं। वहीं नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज लाहौर की NA-119 सीट से आगे चल रही हैं। 9 मई को हुई हिंसा के बाद इमरान खान की पार्टी से अलग होकर अपनी पार्टी इंसतेखाम-ए-पाकिस्तान बनाने वाले जहांगीर खान तरीन अपनी सीट से पीछे चल रहे हैं। सिंध में शहीद बेनजीराबाद सीट से पूर्व राष्ट्रपति और बिलावल भुट्टो के पिता आसिफ अली जरदारी आगे चल रहे हैं। सियालकोट से पूर्व विदेश मंत्री और PML-N के नेता ख्वाजा मोहम्मद आसिफ लीड कर रहे हैं।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया: इसमें कोयला, 2जी, कॉमनवेल्थ घोटाले का जिक्र, लिखा- UPA सरकार आर्थिक मैनेजमेंट में फेल रही

गुजराती बोल, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया। इस पर कल (शुक्रवार को) चर्चा होगी। 59 पेज के श्वेत पत्र में 2014 से पहले और 2014 के बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था की जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि किस तरह UPA सरकार के दस सालों में इकोनॉमी मिस मैनेजमेंट का नुकसान भारत को झेलना पड़ा।

श्वेत पत्र में लिखा है- 2014 में कोयला घोटाले ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। 2014 से पहले कोयला ब्लॉकों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किए बिना मनमाने आधार पर किया गया था। कोयला क्षेत्र को कॉम्पिटिशन और ट्रांसपेरेंसी से बाहर रखा गया था। एजेंसियों ने जांच की और 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने 1993 से आवंटित 204 कोयला खदानों/ब्लॉकों का आवंटन रद्द कर दिया।

यूपीए सरकार में 122 दूरसंचार लाइसेंसों से जुड़ा 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला हुआ। इसमें CAG के अनुमान के अनुसार सरकारी खजाने को 1.76 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कोयला घोटाले में सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

हुआ। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) घोटाले ने राजनीतिक अनिश्चितता के माहौल का संकेत दिया।

संसद में बजट पेश करते हुए सीतारमण ने बताया था कि FDI यानी फर्स्ट डेवलप इंडिया। 2014-23 के दौरान 596 अरब डॉलर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) आया। यह 2005-2014 के दौरान आए FDI से दोगुना था। हम विदेशी पार्टनर्स से बाइलैट्रल इनवेस्टमेंट ट्रीटी (द्विपक्षीय निवेश के लिए समझौता) कर रहे हैं।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बीच संसद ने 2024-25 के लिए अंतरिम बजट को मंजूरी दे दी है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल पर ब्लैक पेपर जारी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल में 411 विपक्षी विधायकों को अपनी तरफ मिलाया। वह डेमोक्रेसी खत्म कर रही है। कांग्रेस ने इसे 10 साल, अन्याय काल नाम दिया।

खड़गे ने कहा कि देश में जो सबसे बड़ा मुद्दा है, उसे भाजपा सरकार कभी नहीं उठाती। नेहरू के जमाने के HAL, HMT, BHEL को उन्होंने कभी नहीं बताया। इसमें कितने लोगों को बेहतरीन नौकरियां मिलीं, ये कभी नहीं बताया। गांवों में रोजगार कम हो रहे हैं, क्योंकि सरकार नरेगा का पैसा रिलीज नहीं कर रही। गैर-भाजपा शासित राज्यों जैसे केरल, कर्नाटक, तेलंगाना के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि अब इतने पैसे जमा हो रहे हैं, पहले क्यों नहीं होते थे, ऐसा कहकर वे अप्रत्यक्ष रूप में हैरेसमेंट और प्रेशराइज कर रहे हैं और इलेक्शन में पैसा लगा रहे हैं। ये पैसा डेमोक्रेसी को खत्म करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा ने 10 साल में 411 विधायकों को अपनी तरफ ले लिया। मैं ये नहीं कहता कि कितने पैसे देकर खरीदा। आप लोग जानते हैं कि हमारी कितनी सरकारें चुनी हुई थीं जैसे मध्य प्रदेश, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड। यहां सरकारें कैसे गिरीं, आप जानते हैं। अगर वे डराकर हमें कमजोर करना चाहते हैं तो न कांग्रेस और न ही मैं इससे प्रभावित होंगे।

राज्यसभा से रिटायर हो रहे सदस्यों को विदाई देने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- हमारे यहां कोई बच्चा कुछ अच्छा कर लेता है या अच्छे कपड़े पहन कर तैयार होता है, तो परिवार में कोई कहता है कि नजर लग जाएगी, इसलिए काला टीका लगा दो। इसलिए जो काला टीका लगाने का काम किया है, उसके लिए मैं खड़गे जी को धन्यवाद देता हूं।

हल्द्वानी में अवैध मदरसे को बुलडोजर से गिराया: विरोध में पथराव-आगजनी; SDM और पुलिसवाले घायल, इलाके में कर्फ्यू लगाया गया

गुजराती बोल, हल्द्वानी

उत्तराखंड में हल्द्वानी नगर निगम ने शहर में बने एक मदरसे को गुरुवार को बुलडोजर से गिरा दिया। यहां नमाज पढ़ने के लिए भी एक बिल्डिंग बनाई जा रही थी, उसे भी बुलडोजर से गिरा दिया गया। इससे गुस्साए लोगों ने नगर निगम की टीम पर हमला कर दिया। उपद्रवियों ने बनभूलपुरा थाने को चारों ओर से घेरकर पथराव किया। कई गाड़ियों को जला दिया। ट्रांसफार्मर में भी आग लगा दी, इससे इलाके में बिजली सप्लाई ठप हो गई। डीएम ने वनभूलपुरा में कर्फ्यू लगा दिया है और दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- अतिक्रमण

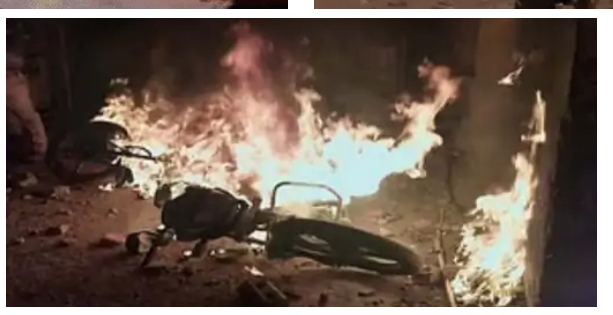

कोर्ट के आदेश पर हटाया गया है। मौके पर पुलिस और केंद्रीय बलों की कंपनियां भेजी जा रही हैं। जिन लोगों ने हमला और आगजनी की है उनकी पहचान कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बवालियों ने मदरसा ढहाने वाले बुलडोजर में भी तोड़फोड़ की। पथराव में SDM, पुलिस-निगमकर्मी, पत्रकार चोटिल हुए। पुलिस ने हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले छोड़कर उपद्रवियों को खदेड़ा। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया- मदरसा और नमाज वाली जगह पूरी तरह अवैध है। नगर निगम ने तीन एकड़ जमीन को कब्जा मुक्त कराकर मदरसे और नमाज स्थल को सील किया था। गुरुवार को इसे ध्वस्त किया गया। पथराव करने वाले अराजक तत्वों को पुलिस चिह्नित कर रही है। इधर, हल्द्वानी मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ पुलिस, इंटेलिजेंस के अन्य सीनियर ऑफिसर के साथ हालात की समीक्षा की। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश भी दिए। हल्द्वानी के खंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्र ने क्षेत्र के कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूलों की 9 फरवरी को छुट्टी कर दी है।

भारत-म्यांमार के बीच बॉर्डर सील किया गया: लोगों की आवाजाही बंद, घुसपैठ रोकने के लिए गृह मंत्री शाह का फैसला

गुजराती बोल, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि मंत्रालय ने भारत-म्यांमार के बीच फ्री मूवमेंट रिजीम (FMR) को खत्म करने का फैसला लिया है। इससे दोनों देशों के बीच बॉर्डर के पास रहने वाले लोगों का फ्री मूवमेंट बंद हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा- भारत की आंतरिक सुरक्षा और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों की डेमोग्राफी को बरकरार रखने के लिए यह फैसला किया गया है। इससे पहले अमित शाह ने असम में 20 जनवरी को ऐलान किया था कि भारत-म्यांमार के बीच बॉर्डर की फेंसिंग की जाएगी।

भारत म्यांमार के बीच 1600 किलोमीटर लंबा बॉर्डर है। 1970 में दोनों देशों के बीच फ्री मूवमेंट का एग्रीमेंट हुआ था। इसे ही फ्री मूवमेंट रिजीम यानी FMR कहा जाता है।

आखिरी बार इसे 2016 में रिन्यू किया गया था। इससे दोनों देशों के लोगों को एक दूसरे के क्षेत्र में बिना किसी डॉक्यूमेंट के जाने की इजाजत मिलती है। शाह ने यह घोषणा उस वक्त की है जब म्यांमार में विद्रोही गुटों और सेना के बीच लड़ाई तेज हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर से अब तक भारत में 600 सैनिक घुस आए थे। मिजोरम सरकार ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र से मदद मांगी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी में म्यांमार से भागे सैनिकों

ने मिजोरम के लांग्टलाई जिले के तुईसेंटलांग में असम राइफल्स के पास शरण ली थी। सैनिकों ने बताया था कि पश्चिमी म्यांमार राज्य के रखाइन में एक हथियारबंद विद्रोही गुट अराकन आर्मी (AA) के उग्रवादियों ने उनके शिविरों पर कब्जा कर लिया, जिसके बाद वे भागकर भारत आए।

बीते एक दशक में अराकन आर्मी म्यांमार में सबसे ताकतवर विद्रोही गुट बनकर उभरा है। मिजोरम और म्यांमार के चिन प्रांत के बीच 510 किलोमीटर लंबी सीमा है।

यंग मिजो एसोसिएशन के सचिव लालनुन्तलुआंगा कहते हैं कि भारत और म्यांमार की सीमा से इधर-उधर जाना आसान है। बॉर्डर के दोनों तरफ 25 किलोमीटर तक जाने की छूट है। ऐसे में म्यांमार से लोग आसानी से भारत पहुंच जाते हैं।

आइजॉल के गवर्नमेंट जॉनसन कॉलेज में प्रोफेसर डेविड लालरिनछाना का कहना है कि म्यांमार के चिन और मिजोरम के मिजो लोगों के बीच अच्छे रिश्ते हैं। ये अपने को एक-दूसरे का पूर्वज मानते हैं। यही वजह है कि चिन विस्थापितों लोगों को मिजोरम में सहयोग मिलता है।

म्यांमार में फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद से अवैध प्रवासियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस दौरान करीब 40 हजार शरणार्थियों ने मिजोरम में पनाह ली। वहीं करीब 4 हजार रिफ्यूजी मणिपुर पहुंचे।

फरवरी 2021 में म्यांमार की सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। वहां की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था।

इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी। इसके बाद से म्यांमार में गृह युद्ध चल रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। मिजोरम पुलिस के मुताबिक बीते कुछ महीनों से भारत-म्यांमार सीमा के आसपास गतिविधियां बढ़ी हैं। हजारों की संख्या में म्यांमारी लोग भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। अपनी ताकत के विस्तार करने में जुटा चीन अपने पड़ोसी देशों की आंतरिक अशांति का भी फायदा उठा रहा है। फरवरी 2021 में जब म्यांमार की सेना ने चुनी हुई सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया, तो चीन ने इसे 'बड़ा कैबिनेट फेरबदल' कहा था।

जेसीबी का रंग पीला ही क्यों होता है, लाल या सफेद क्यों नहीं? क्या है इस मशीन का असली नाम

जेसीबी मशीन का नाम बोलते ही पीले रंग की एक दैत्याकार मशीन की तस्वीर सामने आती है, जो कुछ ही समय में बड़ी-बड़ी इमारतों को ढहा देती है. लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि इस मशीन का असली नाम क्या है और दुनियाभर में इसका रंग पीला ही क्यों होता है?

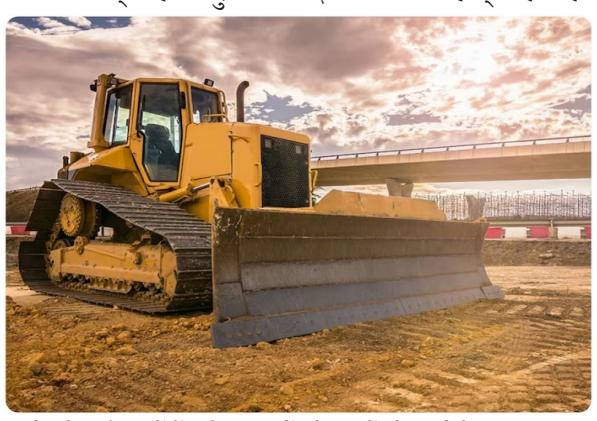

देश के कई राज्यों में अवैध इमारतों और ढांचों को गिराने के लिए एक खास मशीन का इस्तेमाल किया जाता है. लोग इसे जेसीबी मशीन कहते हैं. पीले रंग की ये मशीन इतनी बड़ी होती है कि कुछ ही देर में बड़े-बड़े ढांचों को ढहा देती है. वहीं, कंस्ट्रक्शन साइट्स पर भी जेसीबी मशीनों का खुदाई के लिए खूब इस्तेमाल किया जाता है

इमारतों को ढहाने के लिए दूसरी जिस मशीन का इस्तेमाल किया जाता है, उसे बुलडोजर कहा जाता है. बुलडोजर का इस्तेमाल सड़क निर्माण में भी किया जाता है. लेकिन, खास बात ये है कि इसका रंग भी जेसीबी मशीन की ही तरह पीला रहता है. क्या आपने कभी सोचा है कि जेसीबी मशीन और बुलडोजर का रंग पीला ही क्यों होता है?

मौजूदा दौर में जेसीबी मशीन और बुलडोजर का रंग बेशक पीला होता है, लेकिन कभी इनका रंग लाल और सफेद होता था. बाद में कुछ खास कारणों को ध्यान में रखते हुए इनका रंग पीला किया गया. दरअसल, कंपनी ने मशीनों की डिमांड बढ़ने पर इस मशीन का रंग बदलना शुरू किया था. हालांकि, इसका कारण डिमांड बढ़ने के बजाय सुरक्षा था.

दरअसल, जब लाल और सफेद रंग की जेसीबी मशीनें कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम करती थीं, तो दूर से दिखाई देने में दिक्कत आती थी. वहीं, रात में तो सफेद-लाल रंग की मशीनें नजर ही नहीं आती थी. फिर कंपनियों ने जेसीबी मशीन का रंग पीला कर दिया, ताकि इन्हें दूर से देखा जा सके. पीले रंग की वजह से ही ये रात में भी आसानी से नजर आ जाती हैं.

अब हम आपको बता दें कि जेसीबी इस मशीन का असली नाम नहीं है. जेसीबी इस मशीन को बनाने वाली कंपनी का नाम है. इसे बनाने वाली कंपनी जोसेफ सिरिल बामफोर्ड एक्सावेटर्स लिमिटेड की स्थापना 1945 में जोसेफ सिरिल बामफोर्ड ने की थी. दरअसल, कंपनी का नाम ही अब इस मशीन का पर्याय बन गया है.

जिसे हम जेसीबी मशीन कहते हैं, उसका असली नाम 'बैकहो लोडर' है. भारत, ब्रिटेन और आयरलैंड में जेसीबी शब्द का इस्तेमाल अक्सर यांत्रिक खुदाई करने वालों के लिए सामान्य तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. यहां तक कि ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में भी जेसीबी शब्द दिखाई देने लगा है. हालांकि, इसे अभी भी एक ट्रेडमार्क के तौर पर रखा गया है.

अयोध्या से 1600 किमी दूर हुआ चमत्कार! नदी में मिली हजार साल पुरानी भगवान विष्णु की प्रतिमा, रामलला जैसी है आभा

गुजराती बोल, नई दिल्ली

कर्नाटक के रायचूर जिले में 'चमत्कार' हुआ है। एक गांव में कृष्णा नदी से भगवान विष्णु की प्रतिमा मिली है। भगवान विष्णु की ये प्रतिमा करीब हजार साल पुरानी बताई जा रही है। खास बात ये है कि ये प्रतिमा बिल्कुल रामलला की नवनिर्मित प्रतिमा से मिलती-जुलती है। बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा स्थापित की गई है। पुरातत्ववेत्ताओं के अनुसार ये प्रतिमा 11वीं या 12वीं शताब्दी की हो सकती है।

राम नगरी अयोध्या से करीब 1600 किमी दूर एक नदी से भगवान विष्णु की प्राचीन प्रतिमा मिली है। खास बात है कि भगवान विष्णु की ये प्रतिमा रामलला की प्रतिमा जैसी है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये प्रतिमा करीब हजार साल पुरानी हो सकती है। भगवान विष्णु के इस विग्रह के साथ ही एक प्राचीन शिवलिंग भी मिला है। भगवान विष्णु के इस विग्रह का रूप-रंग और स्वरूप अयोध्या में राम लला के भव्य-दिव्य मंदिर में स्थापित

विग्रह से मिलता-जुलता है। भगवान विष्णु की इस प्रतिमा के प्रभामंडल के चारों ओर 'दशावतारों' को उकेरा गया है। प्रतिमा पर मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिम्हा, वामन, राम, परशुराम, कृष्ण, बुद्ध और कल्की अलंकृत हैं। विष्णु जी की प्रतिमा के चार हाथ हैं, जिसमें दो ऊपर उठे हाथ शंख और चक्र से सुसज्जित हैं। नीचे की ओर सीधे किए दो हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में हैं। इनमें एक 'कटि हस्त' और दूसरा 'वरद हस्त' है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रतिमा एक मंदिर के गर्भगृह का हिस्सा रही होगी। हो सकता है कि इसे मंदिर में हुई तोड़फोड़ से बचाने के लिए नदी में डाला गया होगा। इस प्रतिमा को थोड़ी क्षति पहुंची है। विग्रह की नाक थोड़ी क्षतिग्रस्त है। भगवान विष्णु की इस प्रतिमा के प्रभामंडल के चारों ओर 'दशावतारों' को उकेरा गया है। प्रतिमा पर मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिम्हा, वामन, राम, परशुराम, कृष्ण, बुद्ध और कल्की अलंकृत हैं। विष्णु जी की प्रतिमा के चार हाथ हैं, जिसमें दो ऊपर उठे हाथ शंख और चक्र से सुसज्जित हैं। नीचे की ओर सीधे किए दो हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में हैं। इनमें एक 'कटि हस्त' और दूसरा 'वरद हस्त' है।

आप के नाम में छुपा है राम का नाम!

एक बार पुरा #गणित लगाकर देख ले आश्चर्य चकित हो जाएगे।

: अद्भुत गणित

अदभुत गणितज्ञ "श्री.तुलसीदासजी से एक भक्त ने पूछा कि महाराज आप श्रीराम के इतने गुणगान करते हैं , क्या कभी खुद श्रीराम ने आपको दर्शन दिए हैं ? तुलसीदास बोले :- " हां " भक्त :- महाराज क्या आप मुझे भी दर्शन करा देंगे ??? तुलसीदास :- " हां अवश्य " ....तुलसीदास जी ने ऐसा मार्ग दिखाया कि एक गणित का विद्वान भी चकित हो जाए !!! तुलसीदास जी ने कहा , ""अरे भाई यह बहुत ही आसान है !!! तुम श्रीराम के दर्शन स्वयं अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हो.""

हर नाम के अंत में राम का ही नाम है।

इसे समझने के लिए तुम्हे एक "सूत्रश्लोक " बताता हूँयह सूत्र किसी के भी नाम में लागू होता है !!!

भक्त :-" कौनसा सूत्र महाराज ?"

तुलसीदास :- यह सूत्र है ...

नाम चतुर्गुण पंचतत्व मिलन तासां द्विगुण प्रमाण

तुलसी अष्ट सोभाग्ये अंत मे शेष

राम ही राम

इस सूत्र के अनुसार

अब हम किसी का भी नाम ले और उसके अक्षरों की गिनती करें..

1)उस गिनती को (चतुर्गुण) 4 से गुणाकार करें

2) उसमें (पंचतत्व मिलन) 5 मिला लें

3) फिर उसे (द्विगुण प्रमाण) दुगना करें

4)आई हुई संख्या को (अष्ट सो भागे) 8 से विभाजित करें।

"" संख्या पूर्ण विभाजित नहीं होगी और हमेशा २ शेष रहेगा!!! ...

यह 2 ही राम है। यह 2 अंक ही राम अक्षर हैं।.

विश्वास नहीं हों रहा है ना???

चलिए हम एक उदाहरण लेते हैं ...

आप एक नाम लिखें , अक्षर कितने भी हों !!!

उदाहरण के लिए :- निरंजन... 4 अक्षर

1) 4 से गुणा करिए 4x4=16

2)5 जोड़िए 16+5=21

3) दुगने करिए 21×2=42

4)8 से विभाजन करने पर 42÷8= 5 पूर्ण अंक , शेष 2 !!!

शेष हमेशा दो ही बचेंगे,यह बचे 2 अर्थात् - "राम" !!!

विशेष यह है कि सूत्रश्लोक की संख्याओं को तुलसीदासजी ने विशेष महत्व दिया है!!

1) चतुर्गुण अर्थात् 4 पुरुषार्थ :- धर्म, अर्थ, काम,मोक्ष !!!

2) पंचतत्व अर्थात् 5 पंचमहाभौतिक :- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु , आकाश!!!

3) द्विगुण प्रमाण अर्थात् 2 माया व ब्रह्म !!!

4) अष्ट सो भागे अर्थात् 8 आठ प्रकार की लक्ष्मी (आग्घ, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग आणि योग

लक्ष्मी) अथवा तो अष्टधा प्रकृति।

अब यदि हम सभी अपने नाम की जांच इस सूत्र के अनुसार करें तो आश्चर्यचकित रह जाएंगे कि हमेशा शेष 2 ही प्राप्त होगा ...!!

इसी से हमें श्री तुलसीदास जी की बुद्धिमानी और अनंत रामभक्ति का ज्ञान होता है !!!

जय बाबा तुलसी दास

जय श्री राम

हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद 40 साल से जिंदा शख्स

गुजराती बोल

हार्ट ट्रांसप्लांट के वक्त सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि यह कितने दिनों तक चलेगा? इंसान दूसरे के हार्ट के सहारे कितने दिन तक जिंदा रह सकता है. कई डॉक्टर कहते हैं कि सही खानपान हो तो इंसान 20 साल तो आराम से जिंदा रह सकता है. कुछ रिसर्च 30 साल तक का दावा भी करती हैं. लेकिन एक शख्स ने इन सारे दावों को पलट दिया है. हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद यह शख्स 40 साल से जिंदा है और कोई दिक्कत नहीं आई. यही वजह है कि इन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह दी गई है. आज तक कोई भी शख्स हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद इतने दिनों तक जिंदा नहीं रहा. बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नीदरलैंड के रहने वाले बर्ट जानसन जब 17 वर्ष के थे, तो उनमें फ्लू जैसे लक्षण विकसित हुए. डॉक्टरों को दिखाया तो पता चला कि वे कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित हैं. हेयरफील्ड अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें हार्ट ट्रांसप्लांट करने की सलाह दी. बर्ट जानसन पर तो जैसे पहाड़ टूट गया हो. इस छोटी सी उम्र में दिल ने ठीक से काम करना बंद कर दिया. किसी के लिए भी यह चिंता की बात होगी. वह भी आज से 40 साल पहले की बात है. जानसन ने हामी भर दी, तो ट्रांसप्लांट के लिए डोनर तलाशा जाने लगा. 30 हार्ट की जांच की गई, लेकिन कोई भी मैच नहीं कर पाया. बाद में लंदन में कार एक्सिडेंट में मारे गए एक शख्स का हार्ट मैच कर गया. 6 जून 1984 को डॉक्टरों ने हार्ट ट्रांसप्लांट किया. और काफी तेजी से ठीक भी हो गए. जानसन ने कहा, मैं उस शख्स का हमेशा से आभारी रहूंगा, जिसकी वजह से आज मैं जिंदा हूं. आप जानकर हैरान होंगे कि जानसन एक कुशल ग्लाइडर पायलट हैं. इसी हार्ट के सहारे वे हवाई उड़ान भरते हैं.

आज का सच
विधा : कविता

मियां-बीबी दोनों मिलकर कमाते हैं
तीस लाख का पैकेज दोनों पाते हैं
सुबह सुबह नौकरी पर जाते हैं
देर रात तक वापिस आते हैं।।
परिवारिक रिश्तों से कतराते हैं
अकेले रहकर कैरियर बनाते हैं
कुछ मांग न ले इसलिए मुंह छुपाते हैं
भीड़ में रहकर भी अकेले रह जाते हैं।।
मोटे वेतन की नौकरी छोड़ नहीं पाते ।
अपने बच्चों को पाल नहीं पाते।
फुल टाइम की मेड ऐजेंसी से लाते है।
जिसके जिम्में बच्चें छोड़ जाते हैं।।
परिवार वालो को बच्चा नहीं जानता।
केवल आया'आंटी' को वो पहचानता।
दादा -दादी ,नाना-नानी कौन होते है?
अनजान है सबसे किसी को न मानता।।
आया ही नहलाती है आया ही खिलाती है
टिफिन भी रोज़ आया ही बनाती है।
ड्रेस पेहना के स्कूल बस में बिठाती है।
छुट्टी के बाद बस से आया ही घर लाती है।
नींद जब आती है तो आया ही सुलाती है
जैसी भी आती है लोरी वो सुनाती है।
बच्चे सुलाने में वो ही सो जाती है।
बच्चा मचलता है तो टीवी दिखाती है।।
टीचर जो बताते है उसे ही वो मानते है।
देसी खाना छोड़कर पीजा बर्गर खाते है।
वीक एंड पर मौल में पिकनिक मनाते है।
संडे की छुट्टी मौम-डैड के संग बिताता है।।
वक्त नही रुकता है तेजी से गुजर जाता है
वह स्कूल से निकल के कालेज में आता है
कान्वेन्ट में पढ़ने पर इंडिया कहा भाता है
आगे पढ़ाई करने वह विदेश चला जाता है
वहां नये दोस्त बनते हैं उनमें रम जाता है।।
मां-बाप के पैसों से ही खर्चा चलाता है
धीरे-धीरे वही की संस्कृति में रंग जाता है
मौम डैड से रिश्ता पैसों का रह जाता है
फिर काम भी उसे वही मिल जाता है।।
जीवन साथी ढूंढ़ कर वहीं बस जाता है
माँ बाप ने जो देखा ख्वाब वो टूट जाता है
बेटे के दिमाग में भी कैरियर रह जाता है
बुढ़ापे में माँ-बाप अकेले रह जाते हैं।।
जिनकी अनदेखी की उनसे आँखें चुराते हैं
क्यों इतना कमाया ये सोच के पछताते हैं
घुट घुट कर जीते हैं खुद से भी शरमाते हैं
हाथ पैर ढीले हो जाते चलने में दुख पाते हैं
दाढ़- दाँत गिर जाते मोटे चश्में लग जाते हैं
कमर झुक जाती, सुन कान से नहीं पाते हैं
वृद्धाश्रम में रहकर जिंदा ही मर जाते हैं
सोचना की बच्चे अपने लिए पैदा कर रहे हो
या विदेश की सेवा के लिए...?
बेटा एडिलेड में, बेटी है न्यूयार्क।
ब्राईट बच्चों के लिए, हुआ बुढ़ापा डार्क।
बेटा डालर में बंधा, सात समन्दर पार।
चिता जलाने बाप की, गए पड़ोसी चार।
ऑन लाईन पर हो गए, सारे लाड़ दुलार।
दुनियां छोटी हो गई, रिश्ते है बीमार।
बूढ़ा-बूढ़ी आँख में, भरते खारा नीर।
हरिद्वार के घाट की, सिडनी में तकदीर।।
तेरे डालर से भला, मेरा इक कलदार।
रूखी-सूखी में सुखी, अपना घर संसार।
बस अपना घर संसार।।

संजय जैन "बीना" मुंबई
06/02/2024

राजनीति का आकाश और अणुव्रत सांसद संगोष्ठी

नई दिल्ली के संसद भवन में अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में अणुव्रत संसदीय मंच द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

नीति गोपेन्द्र भट्ट, नई दिल्ली

केंद्रीय कानून,संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री एवं अणुव्रत संसदीय मंच के संयोजक अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों और नेताओं के लिए चुनाव से कुछ समय पूर्व ही आचार संहिता लागू करता है जबकि अणुव्रत अनुशास्ता महान संत आचार्य तुलसी ने अपनी दूरदर्शी सोच से वर्षों पूर्व स्वयं द्वारा प्रवर्तित अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से न केवल नेताओं बल्कि आम व्यक्ति के लिए सटीक आचार संहिता बना दी थी जोकि आज भी सर्वाधिक प्रासंगिक है।

मेघवाल नई दिल्ली में पुराने संसद भवन के संविधान सदन कक्ष में अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में साध्वीश्री अणिमाश्री जी के सानिध्य में अणुव्रत संसदीय मंच द्वारा " राजनीति का आकाश और अणुव्रत" विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतिभा भौमिक,विभिन्न प्रदेशों के सांसद गण,साध्वी वृन्द और अणुव्रत की विभिन्न घटक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि गण उपस्थित रहें।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि यह सुखद संयोग ही है कि देश की आजादी के साथ ही यह वर्ष अणुव्रत का भी अमृत काल वर्ष है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी स्वयं प्रेक्षाध्यान करते है और अणुव्रत के सिद्धांतों के अनुरूप संकल्प से सिद्धि की भावना से देश की सेवा में

जुटे हुए है। इसी प्रकार आरएसएस के सर संघचालक डा मोहन भागवत भी प्रतिवर्ष तीन दिनों तक आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में रह कर और उनसे भेंट कर अणुव्रत को अंगीकार करते हैं।

मेघवाल ने कहा कि अणुव्रत अणुबम से भी अधिक ताकतवर है,क्योंकि अणुव्रत रचनात्मकता से भरा हुआ है जबकि अणुबम विध्वंसकारी है। उन्होंने कहा कि अणुव्रत आचार्य महाश्रमण, आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा प्रतिपादित अणुव्रत के छोटे-छोटे लेकिन बड़े उद्देश्य वाले सिद्धांतों को तेजी से आगे बढ़ा रहें है।

मेघवाल ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी और सुषमा स्वराज के बाद उन्हें अणुव्रत संसदीय मंच के संयोजक का दायित्व मिलना सौभाग्य का विषय है।

भारतीय संस्कृति ऋषि और कृषि प्रधान- साध्वी अणिमाश्री

इस अवसर पर अपने आशिवर्चन में साध्वी अणिमाश्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सानिध्य में अयोध्या में भगवान राम लला की दिव्य प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होना पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति की मर्यादा, सत्य, चरित्र और मर्म के साथ ही हमारे सनातन धर्म के वसुधैव कुटुम्बकम् की भावनाके साथ ही एक विश्व,एक समाज और एक चुनाव का संदेश देने वाला है।

साध्वी अणिमाश्री ने कहा कि आज दुर्भाग्य से दुनिया आतंकवाद की समस्या के दंश से घिरी हुई है और इससे आचार्य तुलसी द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों से ही उबरा जा सकता है। आज विश्व के सभी देशों को किसी भी निरपराधी की हत्या नही करने का संकल्प लेना होगा।

उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी एक दिव्य पुरुष थे जिन्होंने जीव मात्र के कल्याण के लिए सौ वर्षों से अधिक दूर की सोच रखते हुए मानव निर्माण की शानदार बुनियाद रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ऋषि और कृषि प्रधान है जो एक ओर जीवों की उदर पूर्ति एवं आजीविका के उपक्रमों को दर्शाती है। साथ ही बेजोड़ आध्यात्मिकता और जीवन दर्शन का संदेश भी देती है। साध्वीश्री ने कहा कि सयंम आत्मानुशासन से ही संभव है और व्रत की चेतना में ही वह ताकत है जो सयंम और साधना का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने सांसदों का आह्वान किया कि जन प्रतिनिधियों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे स्वयं के साथ समाज में नैतिकता और चारित्रिक उन्नयन तथा नैतिकता को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करें तभी समाज में व्याप्त हो रही बुराइयों, नैतिक ह्रास एवं पतन को रोका जा सकेगा। साध्वीश्री ने बताया कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद से लेकर देश के अनेक नेता अणुव्रत के अनुयायी बने हैं ।

संगोष्ठी में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतिभा भौमिक ने कहा कि जैन समाज ने देश में ही नही पूरे विश्व में अपने कारोबार, व्यवसाय और उद्योग धंधों आदि से भारत की धाक जमाई है। साथ ही इनका देश की जीडीपी को बढ़ाने में भी अतुलनीय योगदान रहा है।

इस मौके पर इंदौर के सांसद शंकर लाल लालवानी,जम्मू कश्मीर के जुगल किशोर, वडोदरा की रंजना भट्ट,जयपुर के राम चरण बोहरा,सिरसा की सुनीता दुग्गल,मेरठ के राजेन्द्र अग्रवाल, कर्नाटक के लहर सिंह सिरोया, महसाना की शांता बहन आदि ने अणुव्रत संसदीय मंच की सराहना करते हुए संयम, अपरिग्रह, नैतिकता, सत्य, अहिंसा के मूल मंत्रों को अंगीकार करने के साथ ही युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

समारोह के प्रारंभ में साध्वीश्री सुधा प्रभा जी, साध्वीश्री सम्यक्तव यशा जी एवं समणी स्वर्णप्रज्ञा नें अणुव्रत गीत से मंगलाचरण किया। अणुव्रत विश्व भारती के अध्यक्ष अविनाश नाहर ने अपने स्वागत भाषण में अणुविभा द्वारा संपादित किये जा रहे विभिन्न प्रकल्पों को सांसदो के समक्ष प्रस्तुत करते हुए उनसे सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने सांसदों को अणुव्रत के जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम की जानकारी भी दी और बताया कि देश की कई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी और शिक्षण संस्थाएं इसे संचालित कर रही है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अणुविभा की संगठन मंत्री डॉ कुसुम लुनिया ने बताया कि अणुव्रत जीवन परिष्कार की भव्य प्रक्रिया है। इसके शाश्वत मूल्यों के साथ ही सांसद राजनीति के आकाश में स्थिर रह सकते हैं। संगोष्ठी के अंत में महामंत्री भीखम सुराणा ने सभी का आभार ज्ञापन किया। संगोष्ठी में सांसद राहुल कस्वां, रतन सिंह,गीता बेन रतवा,मितेश भाई पटेल के साथ ही अणुव्रत विश्व भारती के ट्रस्टी तेज करण जैन,सलाहकार कैलाश चंद्र जैन, उपाध्यक्ष, राजेश महाचंद सुराणा, जैन तेरापंथ समाज दिल्ली के अध्यक्ष सुखराज सेठिया,अणुव्रत इतिहास के संयोजक प्रमोद कुमार जैन,अणुव्रत आर्बिटेटर बोर्ड के सदस्य शांति लाल जैन,जनप्रतिनिधि सम्मेलन के संयोजक बाबूलाल दुग्गड,बीकानेर संभाग के प्रभारी विनोद कुमार बाछावत, पदम चंद दफ्तरी,अणुव्रत समिति दिल्ली के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन, सचिव राजेश कुमार जैन, अनुविभा के सलाहकार सुरेश राज जैन,कानूनी सलाहकार नवनीत दुग्गड,नवीन शर्मा, अणुव्रत से जुड़े गोपेन्द्र नाथ भट्ट और अणुव्रत ट्रस्ट के शांति लाल जैन पटावरी आदि भी मौजूद थे।

श्रीमद् भगवद् गीता यथारूप

- श्री नित्यानंद स्वामी, उपाध्यक्ष, ईस्कोन, वडोदरा.

अध्याय 10

श्रीभगवान् का ऐश्वर्य

नान्तोऽस्ति मम दिव्यानां विभूतीनां परन्तप |
एष तूद्देशतः प्रोक्तो विभूतेर्विस्तरो मया || ४० ||

न – न तो; अन्तः – सीमा; अस्ति – है; मम – मेरे; दिव्यानाम् – दिव्य; विभूतीनाम् – ऐश्वर्यों की; परन्तप – हे शत्रुओं के विजेता; एषः – यह सब; तु – लेकिन; उद्देशतः – उदाहरणस्वरूप; प्रोक्तः – कहे गये; विभूतेः – ऐश्वर्यों के; विस्तरः – विशद दर्शन; मया – मेरे द्वारा |

भावार्थ

हे परन्तप! मेरी दैवी विभूतियों का अन्त नहीं है | मैंने तुमसे जो कुछ कहा, वह तो मेरी अनन्त विभूतियों का संकेत मात्र है |

तात्पर्य

जैसा कि वैदिक साहित्य में कहा गया है यद्यपि परमेश्वर की शक्तियाँ तथा विभूतियाँ अनेक प्रकार से जानी जाती हैं, किन्तु इन विभूतियों का कोई अन्त नहीं है, अतएव समस्त विभूतियों तथा शक्तियों का वर्णन कर पाना सम्भव नहीं है | अर्जुन की जिज्ञासा को शान्त करने के लिए केवल थोड़े से उदाहरण प्रस्तुत किये गये हैं |

यद्यद्विभूतिमत्सत्त्वं श्रीमदूर्जितमेव वा |
तत्तदेवावगच्छ त्वं मम तेजोंऽशसम्भवम् || ४१ ||

यत् – यत् – जो जो; विभूति – ऐश्वर्य ; मत् – युक्त; सत्त्वम् – अस्तित्व; श्री-मत् – सुन्दर; उर्जिवम् – तेजस्वी; एव – निश्चय ही; वा – अथवा; तत्-तत् – वे वे; एव – निश्चय ही; अवगच्छ – जानो; तवम् – तुम; मम – मेरे; तेजः – तेज का; अंश – भाग, अंश से; सम्भवम् – उत्पन्न |

भावार्थ

तुम जान लो कि सारा ऐश्वर्य, सौन्दर्य तथा तेजस्वी सृष्टियाँ मेरे तेज के एक स्फुलिंग मात्र से उद्भूत हैं |

तात्पर्य

किसी भी तेजस्वी या सुन्दर सृष्टि को, चाहे वह अध्यात्म जगत में हो या इस जगत में, कृष्ण की विभूति का अंश रूप ही मानना चाहिए | किसी भी अलौकिक तेजयुक्त वस्तु को कृष्ण की विभूति समझना चाहिए |

अथवा बहुनैतेन किं ज्ञातेन तवार्जुन |
विष्टभ्याहमिदं कृत्स्नमेकांशेन स्थितो जगत् || ४२ ||

अथवा – या; बहुना – अनेक; एतेन – इस प्रकार से; किम् – क्या; ज्ञातेन – जानने से; तव – तुम्हारा; अर्जुन – हे अर्जुन; विष्टभ्य – व्याप्त होकर; अहम् – मैं; इदम् – इस; कृत्स्नम् – सम्पूर्ण; एक – एक; अंशेन – अंश के द्वारा; स्थितः – स्थित हूँ; जगत् – ब्रह्माण्ड में |

भावार्थ

किन्तु हे अर्जुन! इस सारे विशद ज्ञान की आवश्यकता क्या है? मैं तो अपने एक अंश मात्र से सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में व्याप्त होकर इसको धारण करता हूँ |

तात्पर्य

परमात्मा के रूप में ब्रह्माण्ड की समस्त वस्तुओं में प्रवेश कर जाने के कारण परमेश्वर का सारे भौतिक जगत में प्रतिनिधित्व है | भगवान् यहाँ पर अर्जुन को बताते हैं कि यह जानने की कोई सार्थकता नहीं है कि सारी वस्तुएँ किस प्रकार अपने पृथक-पृथक ऐश्वर्य तथा उत्कर्ष में स्थित हैं | उसे इतना ही जान लेना चाहिए कि सारी वस्तुओं का अस्तित्व इसलिए है क्योंकि कृष्ण उनमें परमात्मा रूप में प्रविष्ट हैं | ब्रह्मा जैसे विराट जीव से लेकर एक क्षुद्र चींटी तक इसीलिए विद्यमान हैं क्योंकि भगवान् उन सबमें प्रविष्ट होकर उनका पालन करते हैं | एक ऐसी धार्मिक संस्था (मिशन) भी है जो यह निरन्तर प्रचार करती है कि किसी भी देवता की पूजा करने से भगवान् या परं लक्ष्य की प्राप्ति होगी | किन्तु यहाँ पर देवताओं की पूजा को पूर्णतया निरुत्साहित किया गया है, क्योंकि ब्रह्मा तथा शिव जैसे महानतम देवता भी परमेश्वर की विभूति के अंशमात्र हैं | वे समस्त उत्पन्न जीवों के उद्गम हैं और उनसे बढ़कर कोई भी नहीं है | वे असमोर्ध्व हैं जिसका अर्थ है कि न तो कोई उनसे श्रेष्ठ है, न उनके तुल्य | पद्मपुराण में कहा गया है कि जो लोग भगवान् कृष्ण को देवताओं की कोटि में चाहे वे ब्रह्मा या शिव ही क्यों न हो, मानते हैं वे पाखण्डी हो जाते हैं, किन्तु यदि कोई ध्यानपूर्वक कृष्ण की विभूतियों एवं उनकी शक्ति के अंशों का अध्ययन करता है तो वह बिना किसी संशय के भगवान् कृष्ण की स्थिति को समझ सकता है और अविचल भाव से कृष्ण की पूजा में स्थित हो सकता है | भगवान् अपने अंश के विस्तार से परमात्मा रूप में सर्वव्यापी हैं, जो हर विद्यमान वस्तु में प्रवेश करता है | अतः शुद्धभक्त पूर्णभक्ति में कृष्णभावनामृत में अपने मनों को एकाग्र करते हैं | अतएव वे नित्य दिव्य पद में स्थित रहते हैं | इस अध्याय के श्लोक ८ से ११ तक कृष्ण की भक्ति तथा पूजा का स्पष्ट संकेत है | शुद्धभक्ति की यही विधि है | इस अध्याय में इसकी भलीभाँति व्याख्या की गई है कि मनुष्य भगवान् की संगति में किस प्रकार चरम भक्ति-सिद्धि प्राप्त कर सकता है | कृष्ण-परम्परा के महान आचार्य श्रील बलदेव विद्याभूषण इस अध्याय की टीका का समापन इस कथन से करते हैं

यच्छक्तिलेशात्सूर्यादया भवन्त्यत्युग्रतेजसः |
यदंशेन धृतं विश्र्वं स कृष्णो दशमेऽर्च्यते ||

प्रबल सूर्य भी कृष्ण की शक्ति से अपनी शक्ति प्राप्त करता है और सारे संसार का पालन कृष्ण के एक लघु अंश द्वार होता है | अतः श्रीकृष्ण पूजनीय हैं | इस प्रकार श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय "श्रीभगवान् का ऐश्वर्य" का भक्तिवेदान्त तात्पर्य पूर्ण हुआ |

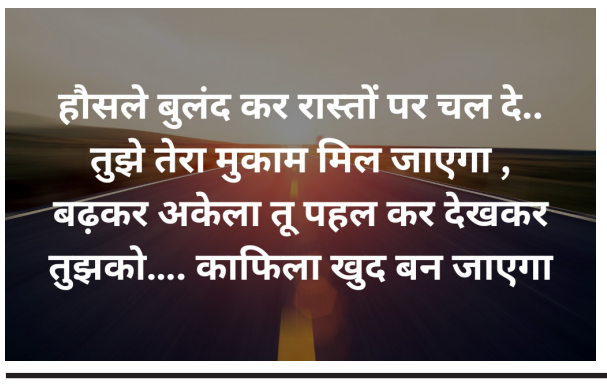

कई राज्यों का 300 करोड़ का भुगतान नहीं करने पर अस्पतालों में आयुष्यमान कार्ड की सुविधा बंद की

वडोदरा समेत कई अस्पतालों को इलाज के लिए 300 करोड़ का भुगतान नहीं मिलने का फैसला : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल को प्रदान किया गया

गुजराती बोल, गांधीनगर

गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड दिया गया है। हालांकि, राज्य भर के अस्पतालों में लोगों को सुविधाएं देने के बाद बीमा कंपनियों द्वारा अस्पतालों को 300 करोड़ से ज्यादा का भुगतान नहीं करने के कारण वडोदरा के 20 समेत कई अस्पतालों में जीवन कार्ड की सुविधाएं बंद कर दी गई हैं. इस मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल को आवेदन देकर जल्द से जल्द पैसे का भुगतान करने का अनुरोध किया है. वडोदरा के 20 अस्पतालों में प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड सेवाएं बंद कर दी गई हैं। प्रदेश भर के कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड सेवाएं बंद होने को लेकर कई सवाल उठे हैं. बीमा कंपनियों द्वारा 300 करोड़ से ज्यादा का भुगतान नहीं करने पर अस्पतालों ने यह फैसला लिया है. आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड में वडोदरा के 300 अस्पतालों को शामिल किया गया था. वडोदरा आईएम के अध्यक्ष मितेश शाह ने कहा कि यह ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी की योजना थी। आयुष्मान 5, 6 और 7 जिसमें सरकार का बीमा कंपनी से अनुबंध था. गुजरात आईएमए की ओर से एक कदम उठाया गया. प्रत्येक अस्पताल को एक गूगल फॉर्म भेजा गया जिसमें दिखाया गया कि कितना पैसा बकाया है जो कि 300 करोड़ से अधिक है इसका खुलासा हुआ.

पिछले सप्ताह स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल को एक प्रस्ताव दिया गया है। आयुष्मान 5, 6 व 7 का पैसा जारी करने की मांग की गई। वर्तमान में बजाज एलायंस बीमा के साथ आयुष्मान 8 बिना किसी समस्या के चल रहा है। यदि सरकार पिछला पैसा उपलब्ध करा देगी तो हम आयुष्मान कार्ड को पुनः सक्रिय कर सकेंगे।

केंद्र सरकार ने गेहूं के बढ़ते दामों को रोकने के लिए स्टॉक सीमा में की कटौती

आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ सकती है: शंकर ठक्कर

गुजराती बोल

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया इस वर्ष वैश्विक स्तर पर खाद्य जिंसों के उत्पादन में कमी और काले समुद्र में चल रही कठिनाइयों के चलते अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में दाम काफी बड़े हुए हैं और स्थानिक स्तर पर भी इस वर्ष मौसम बेजार होने की वजह से कई जगह पर कमजोर बारिश और कई जगह शुष्क मौसम से उत्पादन में कमी आई है जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार दामों को काबू में करने के लिए प्रयत्न कर रही है साथ में यह वर्ष चुनावी वर्ष होने के नाते सरकार चिंतित है और कई अनाज संबंधित वस्तुओं पर निर्यात बंदी एवं निर्यात कर लगा चुकी है जिससे देश में आपूर्ति बाधित न हो।

आज केंद्र सरकार ने एक आदेश जारी कर व्यापारियों,थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसरों के लिए गेहूं स्टॉक सीमा में संशोधन किया है।

भारत सरकार कीमतों को नियंत्रित करने और उपभोक्ताओं के लिए आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं की स्टॉक स्थिति पर कड़ीनजर रख रही है समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने और जमाखोरी और को रोकने के लिए सभी राज्यों में गेहूं पर स्टॉक सीमा लगा दी है। यह 31 मार्च 2024 तक लागू है।

गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के निरंतर प्रयासों के तहत, केंद्र सरकार ने गेहूं स्टॉक सीमा को निम्नानुसार संशोधित करने का निर्णय लिया है व्यापारी एवं थोक विक्रेताओं के लिए 1000 टन की जगह पर 500 टन और उत्पादकों के लिए मासिक स्थापित क्षमता के 70 % की जगह पर 60% किया गया है। और खुदरा विक्रेता और बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं की स्टॉक सीमा में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

सरकार द्वारा की गई स्टॉक सीमा से यह प्रतीत हो रहा है की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए यह हड़बड़ी में लिया गया निर्णय है क्योंकि जहां से यह आपूर्ति होती है वहीं पर यदि स्टॉक सीमा कम होगी तो खुदरा विक्रेताओं तक आपूर्ति बाधित हो सकती है जिससे उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ सकती है।

: कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेश
महामंत्री : श्री शंकर ठक्कर

षष्ठ पीठाधीश्वर प.पू.गो. १०८ श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री के द्वारा मसाला फेक्टरी उद्घाटन - झालरा पाटन, राजस्थान

गुजरात माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड ने 2022 में 1680 पदों और 2023 में 1246 पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की है

सभी पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है - मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल : वर्ष 2024 में विभिन्न संवर्ग के कुल 8000 पदों पर भर्ती की योजना है : प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए हम सख्त कानून लेकर आए हैं - मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल

गुजराती बोल

गुजरात माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड द्वारा विभिन्न संवर्गों की भर्ती प्रक्रिया के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न में मंत्री श्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने वर्ग-3 के पदों को शीघ्र भरने की योजना बनाई है। जिसके लिए वर्ष 2024 में विभिन्न संवर्गों के कुल 8000 पदों पर विज्ञप्ति जारी की जाएगी।

गुजरात माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड ने वर्ष 2022 में 1680 पदों और वर्ष 2023 में 1246 पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की।

मंत्री ने कहा कि नवंबर 2023 के बाद राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के विभिन्न संवर्गों की भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण है, जिसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि हम प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए सख्त कानून लेकर आये हैं.

अहमदाबाद में आकर्षक फोटोग्राफी एवं विडियो शुटिंग के लिए उत्तम स्थान
नवरंग फ्लैश स्टुडियो
रामजी मंदिर के पास, वटवा गाँव, वटवा, अमहदाबाद

आज का महत्व

देश और दुनिया के इतिहास में 09 फरवरी

- 1497 डोमिनिकन पुजारी गिरोलामो सवोनरोला के समर्थकों ने इटली के फ्लोरेंस में सौंदर्य प्रसाधन, कला और पुस्तकों जैसी हजारों वस्तुओं को एकत्र किया और सार्वजनिक रूप से जलाया।
- 1587 मैरी, स्कॉट्स की रानी, को उसके चचेरे भाई, एलिजाबेथ आईओएफ इंग्लैंड की हत्या करने के लिए बेथिंगटन प्लॉट में फ़ॉरथिंगय कैसल फॉरेस्टर भागीदारी में निष्पादित किया गया था।
- 1788 सिडनी का नाम और न्यू साउथ वेल्स के ब्रिटिश कॉलोनी द्वारा नामित किया गया था।
- 1795 संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में ग्यारहवाँ संशोधन, संघीय न्यायालयों में अमेरिकी नागरिकों और विदेशी नागरिकों पर मुकदमा चलाने की क्षमता को सीमित करते हुए, चिसोलोल बनाम जॉर्जिया में सुप्रीमकोर्ट के फैसले को रद्द करने के लिए इसकी पुष्टि की गई थी।
- 1795 संयुक्त राज्य संविधान में ग्यारहवें संशोधन पारित किया गया।
- 1800 फ्रांस में एक जनमत संग्रह नेपोलियन को पर्याप्त बहुमत से प्रथम कौंसुल के रूप में पुष्टि की।
- 1831 यूरोपीय देश बेल्जियम ने संविधान को स्वीकार किया।
- 1856 तस्मानिया की संसद ने दुनिया में पहली बार गोपनीय मतपत्र की व्यवस्था की।
- 1862 ब्रिटेन के साहित्यकार और अध्ययनकर्ता एडवर्ड ब्राउन का जन्म हुआ।
- 1864 फेडरल सैनिकों ने जैक्सनविले के फ्लोरिडा पर कब्जा किया।
- 1867 पश्चिम वर्जीनिया विश्वविद्यालय मोर्गंटउन की स्थापना की गयी।
- 1904 मैरीलैंड में ग्रेट बाल्टीमोर फायर शुरू हुआ, और 30 घंटों में 1,500 से अधिक इमारतों को नष्ट कर देगा।
- 1904 अमेरिका के बाल्टिमोर में जबरदस्त आग लगने से 1500 इमारतें जलकर राख हुई।
- 1907 महिलाओं के मताधिकार की वकालत करने के लिए नेशनल यूनियन ऑफ वूमेन सफ़रेज सोसाइटीज़ द्वारा आयोजित पहली बड़ी जुलूस, मड मार्च में 3,000 से अधिक महिलाओं ने लंदन की ठंडी और कच्ची सड़कों से कूदा।
- 1907 लंदन में 3,000 से अधिक महिलाओं ने मड मार्च में भाग लिया, यूनाइटेड किंगडम में महिलाओं के मताधिकार की मांग करते हुए, नेशनल यूनियन ऑफ़ वीमेनसफ़्रेग सोसाइटीज द्वारा आयोजित पहला बड़ा जुलूस।
- 1907 लंदन में 3, 000 से अधिक महिलाओं ने मड मार्च में भाग लिया, जो यूनाइटेड किंगडम में महिलाओं के मताधिकार की मांग करते हुए, नेशनल यूनियन ऑफ वूमेन सफ़रेज सोसायटीज़ द्वारा आयोजित पहला बड़ा जुलूस था।
- 1914 कॉमेडी अभिनेता चार्ली चैपलिन के चरित्र 'द ट्रैम्प' के पहले दृश्य की विशेषता वाली फिल्म किड ऑटो रेस वेनिस में प्रदर्शित हुई।
- 1915 पहली बार वायरलैस मैसेज चलती ट्रेन से स्टेशन को भेजा गया।
- 1940 वॉल्ट डिज़्नी के पिनोचियो, पहले एनिमेटेड मोशन पिक्चर टोविन को एक प्रतिस्पर्धी अकादमी पुरस्कार, आरकेओपीचुरेशस द्वारा सिनेमाघरों में जारी किया गया था।
- 1940 ब्रिटेन में रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ।
- 1940 वॉल्ट डिज़्नी एनिमेटेड फिल्म पिनोचियो का प्रीमियर न्यूयॉर्क शहर के एक थियेटर में हुआ।
- 1943 द्वितीय विश्व युद्ध-जापान ने अपने सैनिकों को सफलतापूर्वक गादुदलकेन से हटा लिया।
- 1943 अमेरिका में जूतों की राशनिंग प्रणाली लागू की गई।
- 1959 फिदेल कास्त्रो ने क्यूबा के नये संविधान की घोषणा की।
- 1974 केंद्रीय अमरीका महाद्वीप में स्थित छोटे देश ग्रेनाडा को स्वतंत्रता मिली।
- 1986 हैती जीन-क्लाउड ड्यूवेलियर के राष्ट्रपति एक लोकप्रिय विद्रोह के बाद देश से भाग गए, देश में एक परिवार के शासन के 28 साल पूरे हो गए।
- 1990 सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी ने बहुपक्षीय चुनावों के लिए रास्ता साफ कर, सत्ता के एकाधिकार को समाप्त करने के लिए वोट किया।
- 1992 यूरोपीय देशों ने नीदरलैंड्स में मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ही यूरो मुद्रा का जन्म हुआ।
- 1995 1993 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के बम विस्फोट और फिलीपीन एयरलाइंस की उड़ान 434 के मुख्य अपराधियों में से एक, रामजी यूसेफ को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया गया था।
- 1995 1993 के वर्ल्डट्रेड सेंटर बम विस्फोट और फिलीपीन एयरलाइंस फ्लाइट 434 के मुख्य अपराधियों में से एक, रामजी यूसेफ को इस्लामाबाद, पाकिस्तान में गिरफ्तार किया गया था।
- 1997 यूएस और रूस ने हेलसिंकी के लिए 20 से 21 मार्च को शिखर सम्मेलन की घोषणा की।
- 1998 नागानो जापान में 18 वें शीतकालीन ओलंपिक खेल खोले गए।
- 1999 अब्दुल्ला द्वितीय अपने पिता राजा हुसैन की मृत्यु के बाद जॉर्डन के हाशमाइट राज्य का राजा बन गया।
- 1999 जॉर्डन के युवराज अब्दुल्ला ने गद्दी सम्भाली।
- 1999 जॉर्डन के राजा हुसैन कैंसर की वजह से मरे और उनके बेटे अब्दुल्ला द्वितीय को सिंहासन विरासत में मिला।
- 2001 इस्रायल के प्रधानमंत्री एहुद बराक चुनाव में पराजित, एरियल शेरोन नए प्रधानमंत्री बने।
- 2006 लाल सलाम में 1200 से अधिक लोगों की हत्या करने के बाद मिस्र के एक नौका को सलाम बोकासिआको डूब गया।
- 2008 स्पेस शटल अटलांटिस ने ISS को प्रयोगशाला पहुंचाने के लिए STS 122 का शुभारंभ किया।
- 2009 ऑस्ट्रेलियाई इतिहास में सबसे घातक ब्रशफ़ाइक के बाद, ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न में उच्चतम तापमान दर्ज करता है।
- 2009 ब्लैक शनिवार को विक्टोरिया के ऑस्ट्रालियन राज्य में 400 व्यक्तिगत झाड़ियों की एक श्रृंखला प्रज्वलित हुई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः कुल 173 मौतें हुईं, एक बुशफायर इनराल्टिया से जीवन का अब तक का सबसे अधिक नुकसान।
- 2010 महमूद अहमदीनेजाद, ईरानी राष्ट्रपति ने ईरान की परमाणु एजेंसी को उच्च स्तर पर यूरेनियम को समृद्ध करने की आज्ञा दी।
- 2011 सऊदी अरब में 2,000 संभावित पुरातात्विक स्थलों की पहचान एक पुरातत्वविद् द्वारा Google मानचित्रों में की गई थी।
- 2012 कैलिफोर्निया के प्रस्ताव ने अमेरिका में 8 समलैंगिक विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया था जो नौवें सर्किट के लिए अपील की अदालत थी।
- 2012 मालदीव में कई महीनों के राजनीतिक संकट ने राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद के इस्तीफे को खत्म कर दिया।
- 2013 खोजकर्ता, यूरोप में एक तैयार भोजन निर्माता ने अपने बीफ़ लेसेगान भोजन को सुपरमार्केट से वापस लेने की पुष्टि की, जिसके बाद आने वाले घोड़े के मांस के फ्रांसीसी निर्माण द्वारा गोमांस की आपूर्ति की गई।
- 2014 जे लीनो, एंटरटेनर और "द टुनाइट शो" के मेजबान, को जिमी फालोन के साथ बदल दिया गया था जब उन्होंने 22 साल के पतले शो की मेजबानी के बाद अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।
- 457 लियो I को बीजान्टिन सम्राट का ताज पहनाया गया, और 20 साल के लिए शासन करने के लिए चला गया।

Khagesh K.Shah, Editor, Publisher & Owner Gujarati Bol. Printed & Published by him at Lipi Prakashan, C-1, Kalindi Appartment, Pashabhai Park, Race Course Circle, Gotri Road, Vadodara - 390007. (Gujarat) M : 9825034259. E-mail : gujaratibol@yahoo.co.in. Editor : Khagesh K. Shah Responsible for selection of news under PRB Act. RNI No. 65261/97

LOKSATTA

वडोदरा लोकसभा सीट की चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों की बैठक हुई

गुजराती बोल, वडोदरा

वडोदरा के भाजपा कार्यालय में लोकसभा क्लस्टर के प्रभारी पूर्व गृह मंत्री श्री प्रदीप सिंह जाडेजा की उपस्थिति में वडोदरा लोकसभा सीट की चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों की बैठक हुई जिसमें इस संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। लोकसभा सीट की चुनावी योजना और लोकसभा चुनाव की योजना बनाने के लिए विभिन्न विभागों में कुल मिलाकर 24 विभागों में 76 से अधिक पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है. इस बैठक में वडोदरा लोकसभा सीट प्रभारी श्री भरतसिंह परमार, समन्वयक श्री भरतभाई शाह, वडोदरा शहर भाजपा अध्यक्ष. डॉ। विजयभाई शाह, वडोदरा के मेयर माननीय। श्रीमती पिंकीबेन सोनी, वडोदरा शहर एवं शहर जिले के जिला महामन्त्री उपस्थित रहे. वडोदरा शहर भाजपा मीडिया विभाग

वडोदरा महानगर में माता रामभाई अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर सरिता हॉस्पिटल में महिला चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

गुजराती बोल, वडोदरा

वडोदरा महानगर में माता रामभाई अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर शहर के वाघोडिया रोड, परिवार चार रास्ता के पास सरिता हॉस्पिटल में महिला चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर अध्यक्ष डॉ. विजय भाई शाह, डॉ. मितेश शाह, मध्य गुजरात डॉक्टर सेल के महामंत्री श्री सत्येन कुलबकर, एससी मोर्चा वडोदरा के प्रभारी मुकेश भाई श्रीमाली एवं एससी मोर्चा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं ए. शिविर का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थीं। गुजरात प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष श्री गौतमभाई गेडिया जी एवं प्रदेश मोर्चा भाजपा वडोदरा महानगर अनुसूचित जाति

मोर्चा एवं मध्य क्षेत्र चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रभारी श्री डॉ. मितेश के मार्गदर्शनानुसार भाई शाह. इसके अलावा, वडोदरा महाभारत भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री डॉ. विजयभाई शाह के मार्गदर्शन में वडोदरा शहर अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा डॉ. तरंगभाई शर्मा के सहयोग से सविता अस्पताल में महिलाओं के लिए एक चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉक्टर टीम द्वारा बीपी, टी, पी, एसपीओ2, ईसीजी, पीएफटी, बीएमडी, आरबीएस, इको जांच की गई। जिसमें डॉक्टरों की एक टीम ने इलाज किया जनरल प्रैक्टिशनर, फिजिशियन, ऑर्थोपेडिक सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हृदय रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, त्वचा विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट, दंत चिकित्सक ने शिविर में सेवा दी। अनुसूचित जाति मोर्चा वडोदरा महानगर प्रभारी श्री मुकेशभाई श्रीमाली अनु अनुसूचित जाति मोर्चा और डॉक्टर श्री वडोदरा महानगर कार्यकर्ता बहुत बड़ी संख्या में श्री मेडिकल चेकअप के लिए 200 से अधिक बहनें उपस्थित थीं, साथ ही नगर निगम के पार्षद, मोर्चा के नरेशभाई सोलंकी, योगेशभाई परमार, मनीषभाई कपाड़िया और कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया

प्रधानमंत्री आवास योजना कोई सामान्य योजना नहीं है, घर की गारंटी है: वाघोडिया के रबारी महेशभाई

गुजराती बोल, वडोदरा

वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुक के नवा अजवा गांव में रहने वाले रबारी महेशभाई ने अपना जर्जर घर तोड़कर वहां पक्का घर बना लिया। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित होकर एक निजी कंपनी में मजदूरी करने वाले रबारी महेशभाई कहते हैं कि सरकार ने हमें रुपये दिए हैं। 1. 20 लाख की मदद की गई है.

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, मेरे परिवार को बुनियादी सुविधाओं के साथ एक तैयार घर मिला है, उन्होंने कहा कि रबारी महेशभाई के परिवार में माता-पिता, पत्नी और बच्चों सहित कुल 6 सदस्य अब तक मिट्टी और मिट्टी के घर में रहते हैं। महेशभाई ने दृढ़ता से कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से वंचित और गरीब परिवारों के सपनों को पूरा किया है।

अब कोई भी मौसम हो, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता. साथ ही अगर कच्चा घर हो तो जहरीले कीड़े भी आ जाते थे। बुजुर्ग माता-पिता और छोटे-छोटे बच्चे बहुत चिंतित थे.. यह कहते हुए पुराने दिनों को याद कर भावुक हुए महेशभाई ने सरकारश्री के प्रति आभार व्यक्त किया. महेशभाई रबारी जैसे करोड़ों लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना खुशहाली बढ़ाने वाली बन गई है।

नर्मदा जिला प्रशासन एकतानगर में 'काउंटर टेररिस्ट अटैक' मॉक ड्रिल आयोजित करेगा

पर्यटक एवं जनता किसी भी प्रकार के डर या दहशत में न रहें: जिला प्रशासन की ओर से जनता से विशेष अपील, झूठी अफवाहों से दूर रहें

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी समेत एकतानगर के विभिन्न स्थानों पर होने वाले मॉक ड्रिल को लेकर बैठक हुई

गुजराती बोल, राजपीपला

एनएसजी के आईजी. नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित एकतानगर के विभिन्न स्थानों पर होने वाले काउंटर टेररिस्ट अटैक की मॉक ड्रिल को लेकर श्री सुदीप्त दास और नर्मदा जिला पुलिस प्रमुख श्री प्रशांत सुंबे की अध्यक्षता में एकतानगर प्रशासनिक परिसर में एक बैठक आयोजित की गई।

जिला प्रशासन द्वारा सार्वजनिक अपील की गई है कि गुरूवार एवं शुक्रवार को होने वाले इस मॉक ड्रिल से पर्यटक-जनता अथवा जिलावासी किसी भी प्रकार के भय या दहशत में न रहें तथा जनता इस संबंध में गलत अफवाहों से दूर रहें। मॉक ड्रिल.

साथ ही जिला आपदा प्रबंधन तंत्र, नर्मदा द्वारा यह पुरजोर अनुरोध किया गया है कि प्रिंट-इलेक्ट्रॉनिक-सोशल मीडिया से जुड़े सभी मीडियाकर्मियों और जनता को भी इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि झूठी सूचना, अफवाह या आकस्मिक आपदा का डर मॉक ड्रिल सुनिश्चित किया जाए। लोगों के बीच नहीं फैलता.

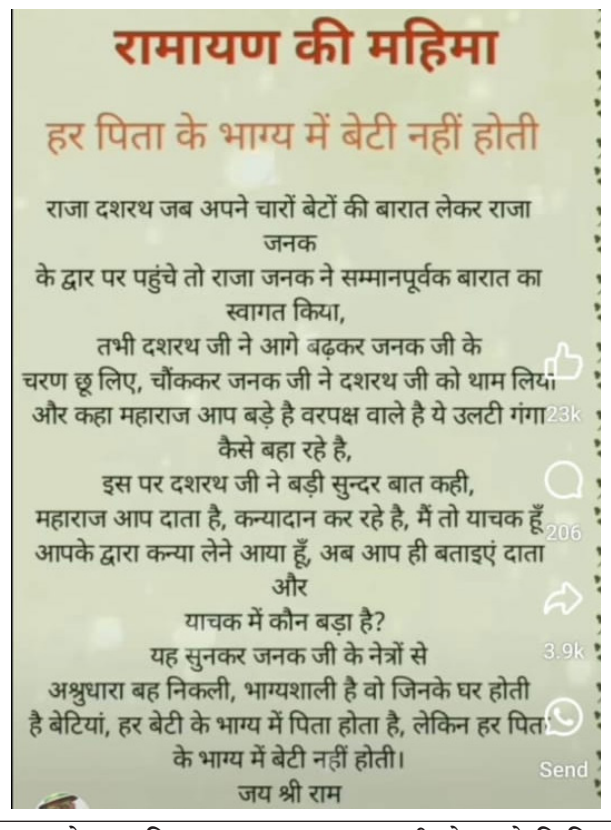

एकतानगर के कौशल विकास केंद्र में लें ट्रेनिंग, तो नौकरी पक्की

एकता कौशल विकास केंद्र के 78 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को उनके घर पर ही नौकरी मिल गई

गुजराती बोल, राजपीपला

सरदार वल्लभभाई पटेल की एकतानगर में बनी विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के कारण बढ़ी पर्यटन गतिविधियां स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का जरिया बन गई है। विशेष रूप से आदिवासी युवाओं को कुशल बनने और घर पर ही रोजगार पाने के लिए बनाए गए एकता कौशल वर्धन केंद्र में भी प्रशिक्षित किया गया है। एकता कौशल विकास केंद्र का प्लेसमेंट अनुपात 78 प्रतिशत है। यह अनुपात गुजरात के प्रतिष्ठित कॉलेजों से कई गुना अधिक है। यहां प्रशिक्षण लें और समझें कि नौकरी की गारंटी है!

ग्रांधी मल्लिकार्जुन राव वरलक्ष्मी फाउंडेशन, सरदार सरोवर नर्मदा निगम और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट टूरिज्म गवर्नेंस अथॉरिटी के अलावा एक समझौता हुआ और वर्ष 2021 में यहां एकता कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई। इसका प्रबंधन वरलक्ष्मी फाउंडेशन द्वारा किया जाता है। ऐसा एसओयू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री उदत अग्रवाल ने कहा।

एकता कौशल्या वर्धन केंद्र में एक से तीन महीने की छोटी अवधि के नौ

इस कौशल विकास केंद्र का प्लेसमेंट अनुपात गुजरात के प्रतिष्ठित कॉलेजों से अधिक है : कौशल केंद्रों में प्रशिक्षण के बाद आदिवासी लड़कियां अग्रणी, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं

पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। जिसमें नर्मदा जिले के 151 गांवों के युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है. जिनमें से 90 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी आदिवासी समुदाय से हैं। अब तक प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थियों में 55 प्रतिशत लड़कियां और 45 प्रतिशत युवा हैं। यानी यहां से प्रशिक्षण लेकर नौकरी पाने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है. प्रशिक्षुओं के परिवहन के लिए एसओयू द्वारा तीन बसों की व्यवस्था की गई है।

एकता कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में अब तक 71 बैचों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिसमें 1501 अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण लिया और उनमें से 1173 प्रशिक्षुओं को एसओयू परिसर में ही नौकरी मिल गई। आंकड़ों के मुताबिक, 78 फीसदी प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग पूरी करने के तुरंत बाद नौकरी मिल गई. शेष प्रशिक्षु स्वतंत्र व्यवसाय से जुड़ गये हैं। इन प्रशिक्षुओं को 70 राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी मिल चुकी है।

दिलचस्प बात यह है कि स्टारबक्स जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनी को भी कॉफी बनाने के लिए इसे मिश्रित करना सीखना होगा। आदिवासी युवा भी एसओयू परिसर में यह काम बखूबी सीख चुके हैं और वहां काम कर रहे हैं. मातबर को भी 500 रुपये वेतन मिल रहा है. यहां ई-ऑटो ड्राइवर, लाइट मोटर व्हीकल ड्राइवर, हाउस कीपिंग और रूम अटेंडेंट, इलेक्ट्रीशियन, फ्रंट ऑफिस एसोसिएट्स, कंप्यूटर-डेटा एंट्री ऑपरेटर, ब्यूटी थेरेपिस्ट, फूड एंड बेवरेज स्टीवर्ड और टूरिस्ट गाइड को प्रशिक्षित किया जाता है। सबसे ज्यादा मांग इलेक्ट्रीशियन की रही है। इसकी प्लेसमेंट दर 100% है। इसके बाद ई-ऑटो में 92 फीसदी और हाउस कीपिंग में 86 फीसदी है. ब्यूटी थेरेपिस्ट का कोर्स पूरा करने के बाद कई आदिवासी लड़कियां अपने घर पर ही स्वतंत्र व्यवसाय कर रही हैं।

मौनी अमावस्या पर्व विशेष : अंतरमौन ही सृष्टि के आनंद से एकाकारिता है

गुजराती बोल

भारतीय संस्कृति उत्सवों की संस्कृति है तथा प्रत्येक पर्व का अपना विशिष्ट महत्व होता है। प्रत्येक पर्व से जुड़ी अवधारणाएं हमें किसी न किसी रूप में परमात्मा से जोड़ने का प्रयास करती हैं। क्योंकि भारतीय संस्कृति ऋषियों तथा मनीषियों द्वारा ध्यान की अवस्था में प्राप्त ज्ञान के माध्यम से निर्धारित की गई है। जिन्होंने जटिल तथ्यों को सामान्य जन के लिए सरलतम क्रियाकलापों द्वारा त्योहारों का रूप प्रदान किया। समय के साथ ये वास्तविक उद्देश्य से भटककर आडंबरों व कर्मकाण्ड का शिकार हो गए। परंतु इन उत्सवों की प्रायोगिकता व उपयोगिता आज भी वही है। ऐसा ही एक पर्व है माघ मास की अमावस्या जिसे मौनी अमावस्या के रूप में मनाया

जाता है। इस इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान व अन्य धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त सर्वाधिक महत्व है मौन रहकर ईश्वर की आराधना करने का।

जानने योग्य तथ्य यह है कि वास्तविक मौन क्या होता है? क्या शब्दों के प्रवाह को रोक लेना और विचारों का प्रवाहित होते रहना मौन कहा जा सकता है? शायद नहीं। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने वास्तविक मौन की व्याख्या कुछ इस प्रकार की है कि,

"आप में शांति और निर्विचार जागरूकता स्थापित होनी चाहिए। आप अंतरमौन (आंतरिक मौन) में हैं लेकिन बाहर की सभी चीजों से अवगत हैं। आपकी दृष्टि में साक्षी भाव होगा। आपकी बुद्धि गतिशील हो जाएगी, अद्वितीय हो जाएगी।" (22/12/1973)

वास्तव में विचारों का मौन होना, अंतर्द्वंद्वों का मौन होना, ईर्ष्या, द्वेष व अहंकार का मौन होना, कटु शब्दों का मौन होना ही वास्तविक मौन होता है। यह मौन मनुष्य के लिए कुछ कठिन अनुष्ठान है विशेषकर विचारों का मौन होना। और इसका सबसे सरल साधन है वर्तमान में स्थित रहना। सहजयोग में श्री माताजी की कृपा में जब कुंडलिनी का जागरण होता है तो आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है। जिन परमात्मा को हम मंदिरों या अन्य साधनों में खोज रहे थे उनकी उपस्थिति का एहसास सहज ही आपके अपने हाथों पर होने लगता है और तब हम स्वयं को बहुत ही सहज तरीके से भूत और भविष्य से निकालकर वर्तमान में स्थापित कर पाते हैं मौन स्वयं ही हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है और हम शांति व प्रेम हमें अपने हृदय में हर पल महसूस होता है। इसका अनुभव लाखों साधकों ने स्वयं किया है, इस मौनी अमावस्या पर स्वयं को मौन का वास्तविक अनुभव व आनंद देने हेतु सहज योग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें।

सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी निम्न साधनों से पा सकते हैं!

मुख्यमंत्री के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पार्षद ने सड़क खोदकर और गड्ढे में बैठकर विरोध जताया

गुजराती बोल, वडोदरा

हाल ही में निगम ने वडोदरा शहर के नवायार्ड क्षेत्र में एक नई सड़क का निर्माण किया। उस समय जेटको कंपनी द्वारा तैयार सड़क में गड्ढा खोदने को लेकर स्थानीय पार्षद जाहा भरवाड ने गड्ढे में बैठकर विरोध दर्ज कराया है. साथ ही वार्ड एक के पार्षद हरीश पटेल ने जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा कि हमारे वार्ड 1 के नगरसेवक कई प्रस्तुतियों के बाद एक साथ आए और नेवायार्ड में सड़क को मंजूरी दी और हाल ही में दो महीने पहले इसका निर्माण किया गया है। अगर आम नागरिक सड़क खोदकर पानी की लाइन लेना चाहते

हैं तो भी उन्हें लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है और ऐसे मामलों में निगम जवाब देता है कि सड़क की वारंटी पांच साल है, इसलिए नई के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी कनेक्शन.

उस समय निगम द्वारा तैयार सड़क बनाने में लगाये गये पैसे को जेटको कंपनी अपनी मनमर्जी से मनमर्जी से जगह-जगह सड़क खोद कर बर्बाद कर रही है. यदि इसमें गड्ढा खोदने की अनुमति दी गई है तो हम उस अधिकारी के खिलाफ नई सड़क को नुकसान पहुंचाने के लिए कार्रवाई करने के लिए नगर निगम आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत करेंगे और यदि जेटको कंपनी के किसी अधिकारी ने मनमाने ढंग से सड़क खोदी है तो हम मांग करते हैं कि उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए उसे भी.

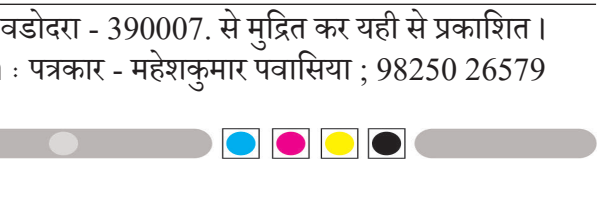

स्वत्वाधिकारी मालिक, मुद्रक, प्राकाशक एवं संपादक खगेश कान्तिलाल शाह द्वारा गुजराती बोल को लिपि प्रकाशन, सी-1, कालिंदी एपार्टमेन्ट, पशाभाई पार्क, रेसकोर्स, वडोदरा - 390007. से मुद्रित कर यही से प्रकाशित। संपादक - खगेश कान्तिलाल शाह। मूल्य : रू.3.00/- मो. : 9825034259. E-mail : gujaratibol@yahoo.co.in / khageshshah777@gmail.com : पत्रकार - महेशकुमार पवासिया ; 98250 26579